

---

shrI A njaneyastotram

श्री आञ्जनेयस्तोत्रम्

Document Information



---

Text title : Anjaneya Stotram 2

File name : Anjaneyastotram2.itx

Category : hanumaana, bIjAdyAkSharamantrAtmaka

Location : doc\_hanumaana

Proofread by : PSA Easwaran

Latest update : January 18, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 13, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



श्री आञ्जनेयस्तोत्रम्

---



रं रं रं रक्तवर्णं दिनकरवदनं तीक्ष्णदंष्ट्राकरालं  
रं रं रं रम्यतेजं गिरिस्थलनकरं कीर्तिपञ्चादिवक्त्रम् ।  
रं रं रं राजयोगं सकलशुभनिधिं समभेतालभेधं  
रं रं रं राक्षसान्तं सकलदिशयशं रामदूतं नमामि ॥ १ ॥

भं भं भं भङ्गलस्तं विषज्वररुडरणं वेदवेदाङ्गदीपं  
भं भं भं भङ्गरूपं त्रिभुवननिलयं देवतासुप्रकाश ।  
भं भं भं कल्पवृक्षं मणिमयमकुटं मायमायास्वरूपं  
भं भं भं कालयज्ञं सकलदिशयशं रामदूतं नमामि ॥ २ ॥

ॐ ॐ ॐ ॐन्द्रवद्यं जलनिधिकलनं सौम्यसाम्राज्यलाभं  
ॐ ॐ ॐ सिद्धयोगं नतजनसदयं आर्यपूजार्थिताङ्गम् ।  
ॐ ॐ ॐ सिंहादं अमृतकरतलं आदि अन्त्यप्रकाशं  
ॐ ॐ ॐ चित्स्वरूपं सकलदिशयशं रामदूतं नमामि ॥ ३ ॥

सं सं सं साक्षिरूपं विकसितवदनं पिङ्गालाक्षं सुरक्षं  
सं सं सं सत्यगीतं सकल मुनिस्तुतं शास्त्रसम्पत्तरीयम् ।  
सं सं सं सामवेदं निपुणसुललितं नित्यतत्त्वं स्वरूपं  
सं सं सं सावधानं सकलदिशयशं रामदूतं नमामि ॥ ४ ॥

ॐ ॐ ॐ ॐसरूपं स्फुटविकटमुभं सूक्ष्मसूक्ष्मावतारं  
ॐ ॐ ॐ अन्तरात्मं रविशशिनयनं रम्यगम्भीरलीमम् ।  
ॐ ॐ ॐ अट्टलासं सुरवरनिलयं ऊर्ध्वरोमं करालं  
ॐ ॐ ॐ ॐसदंसं सकलदिशयशं रामदूतं नमामि ॥ ५ ॥

ॐति आञ्जनेयस्तोत्रं समाप्तम् ।

Proofread by PSA Easwaran

---



*shrI A njaneyastotram*

pdf was typeset on July 13, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

